SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 06 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 11

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जारी की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त

देश के 9 करोड़ 40 लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुंची 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि

छत्तीसगढ़ के 24 लाख 98 हजार से अधिक किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के 566 करोड़ 77 लाख रुपए अंतरित

❑ जिले के 89,868 किसानों के खातों में पहुंची 19.38 करोड़ की राशि

रायपुर | आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महाराष्ट्र के वाशिम जिले से देश के लगभग 9 करोड़ 40 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त के रूप में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के ऑनलाइन अंतरण कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के रूप में प्रदेश के 24 लाख 98 हजार से अधिक किसानों के खातों में 566 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। साय ने इस मौके पर प्रदेश के किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम जिले से देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के ऑनलाइन अंतरण कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

रायगढ़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ में आयोजित हुआ। जिसमें जिले के 89 हजार 868 किसानों के खाते में 19 करोड़ 38 लाख रूपए हस्तांतरण किया गया। मौके पर जिले के किसान वर्चुअल जुड़े रहे और सभी किसानों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 17 वीं किस्त की तुलना में इस बार 66 हजार 485 अधिक किसानों ने योजना का लाभ उठाया है। इससे पहले भी 16 वीं किस्त की तुलना में 17 वीं किस्त का लाभ उठाने वाले किसानों की संख्या 01 लाख 11 हजार 518 अधिक थी। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की किस्त-दर-किस्त लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या में बढ़ोतरी होना इस बात का प्रमाण है कि भारत के कृषि क्षेत्र में कितनी तेजी से प्रगति हो रही है। यह मोदी सरकार पर किसानों के मजबूत भरोसे का भी प्रमाण है। साय ने कहा कि 18 वीं किस्त के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के जो किसान भाई-बहन आज लाभान्वित हो रहे हैं, उनमें 02 लाख 49 हजार 867 वन-पट्टा धारक हैं और 30 हजार 408 किसान पीवीटीजी योजना के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों की उन्नति जय जवान-जय किसान के नारे को सार्थक कर रही है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में डीन कृषि महाविद्यालय डॉ.ए.के.सिंह ने कृषकों को कृषि में नवाचार अपनाकर आमदनी बढ़ाने हेतु सलाह दिये। इसी तरह डॉ.बी.एस.राजपूत ने कृषकों को उद्यानिकी फसलों के साथ मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन करने की बात कही। उपसंचालक कृषि अनिल वर्मा ने विभागीय योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं कृषि के नई तकनीक को अपनाने हेतु सलाह दिये।

इस दौरान मंडी सचिव रमेश कुमार गुप्ता, आर.के.पण्डा, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. मनीषा चौधरी, डॉ.के.के.पैकरा, डॉ.के.डी.महंत, डॉ.सी.पी.एस.सोलंकी, डॉ.के.एल.पटेल, डॉ.नीलकमल पटेल, आशुतोष सिंह, कृषि विभाग से सुकदेव सिदार, रितेश मंडावी, अनिल भगत, नरसिंह सहित रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रगतिशील कृषक खगेश्वर पटेल, हेतराम मालाकार, मधु मालाकर, विमल, शिव शंकर एवं जिले के अन्य कृषक उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण एवं खास

इंदौर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल में लिखा- अब ना तुम भाग सकते हो ना बच सकते हो, अब तुम्हारे साथ गेम शुरू

इंदौर (आरएनएस)। इंदौर के देवी अहिल्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस साल यह चौथा मौका है जब एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक धमकी देने वाले ने डार्क वेब का इस्तेमाल किया है। इससे पहले इंदौर, भोपाल और देश के 50 अन्य एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। पुलिस की दी जानकारी अनुसार, ये धमकी इंदौर एयरपोर्ट के एक स्टाफ को मिली, जो अज्ञात ईमेल आईडी से आया है। इस मेल में लिखा है- 'याद रखना दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से हम अकेले टक्कर ले चुके हैं। अब न तुम भाग सकते हो ना बच सतके हो, गेम शुरू हो गया है। इस मेल के अंत में जय महाकाल जय आदिशक्ति भी लिखा हुआ है। पुलिस जांच में जुट गई है।

बंगाल में चौथी कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म के बाद हत्या, गुस्साई भीड़ ने पुलिस चौकी को किया आग के हवाले

कोलकाता (आरएनएस)। बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर थाना क्षेत्र में चौथी कक्षा की एक छात्रा से कथित दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना सामने आई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग उग्र हो गए और आज सुबह से ही भारी बवाल चल रहा है। आक्रोशित लोगों ने आरोपित के घर सहित स्थानीय महिषमारी पुलिस चौकी में जमकर तोडफ़ोड़ की। भीड़ ने पुलिस चौकी में आग तक लगा दी। इलाके में मुख्य सडक़ को भी अवरुद्ध कर विरोध प्रदर्शन किया। लाठी-डंडे लेकर महिलाओं ने घटनास्थल पर पहुंचे बारुईपुर के एसडीपीओ को दौड़ाया। उत्तेजित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं, इस घटना में आरोपित मोस्ताकिन सरदार को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि छात्रा शुक्रवार दोपहर में ट्यूशन के लिए निकली थी। शाम से रात हो जाने के बाद भी वह घर नहीं लौटी। छात्रा के पिता रात में जयनगर थाने गए। आरोप है कि कथित तौर पर, पुलिस ने उस समय उनसे गुमशुदगी की शिकायत लेने से इन्कार कर दिया। देर रात घर से 500 मीटर दूर एक जलाशय के पास से छात्रा का शव बरामद किया गया। उसके शरीर पर चोट के भी कई निशान थे। स्थानीय लोगों का दावा है कि छात्रा के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई। सूचना मिलने के बाद जब पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। स्थानीय लोगों का दावा है कि अगर पुलिस ने पहले कार्रवाई की होती तो छात्रा की हत्या नहीं होती।

यमन के हूतियों को अमेरिका ने सिखाया सबक, 12 से अधिक ठिकानों पर किया भीषण हवाई हमला

वाशिंगटन । अमेरिकी की सेना ने यमन के हूतियों को बड़ा सबक सिखाया है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में हूतियों के हमले के विरोध में अमेरिकी सेना ने हूतियों के 1 दर्जन से अधिक ठिकानों को हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों के एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर शुक्रवार को यह लक्षित हमला किया। इस दौरान हूती के हथियार प्रणालियों, अड्डों और अन्य उपकरणों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की। यमन के हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के पांच स्थानों पर स्थित विभिन्न ठिकानों पर सैन्य विमानों और युद्धपोतों के जरिए बमबारी की गई। इससे पहले की खबरों में कहा गया था कि हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमलों में ब्रिटेन भी शामिल था। लेकिन बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन हमलों में ब्रिटेन शामिल नहीं था। हूती मीडिया में जारी खबरों में बताया गया कि प्रमुख बंदरगाह शहर होदेदा के हवाई अड्डे तथा हूती नियंत्रण वाले सैन्य अड्डे कथीब पर सात हमले किए गए। इसमें बताया गया कि यमन की राजधानी सना के सेयाना क्षेत्र में चार तथा धमार प्रांत में दो हमले किए गए। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के दक्षिण-पूर्व में बायदा प्रांत में भी तीन हवाई हमले किए गए। अमेरिकी की सेना ने ऐसे समय में ये हमले किए हैं जब कुछ ही दिन पहले हूती विद्रोहियों ने यमन में एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन को मार गिराने के बाद इजराइल में 'सैन्य अभियान तेज करने' की धमकी दी थी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी ढेर, सुरक्षाबलों ने एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम

कुपवाड़ा | आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा से बड़ी खबर सामने आ रही है। जिले में एलओसी के साथ सटे गुगलडारा इलाके में आज सुबह घुसपैठ का प्रयास कर रहे आतंकियों और सुरक्षाबलों बीच मुठभेड़ में दो आंतकी ढेर हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक इलाके में तीन से चार आतंकी होने की आशंका है। इलाके में सेना का सर्च अभियान जारी है।

भारतीय सेना ने कहा कि सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सैनिकों ने गुगलधार में संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिसके बाद गोलीबारी हुई। ऑपरेशन अभी भी जारी है और इसका नेतृत्व जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना की संयुक्त टीम कर रही है।

एनआईए का बड़ा एक्शन, जम्मू कश्मीर-महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में की छापेमारी, आतंकी फंडिंग को लेकर हुई कार्यवाई

नई दिल्ली | आरएनएस

आतंकी फंडिंग को लेकर एनआईए ने बड़ा एक्शन लिया है। जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र समेत पांच राज्यों में एनआईए ने रेड की है। एनआईए ने आतंकी फंडिंग के खिलाफ एक्शन लेते हुए कुल 22 ठिकानों पर छापेमारी की। एनआईए ने छापेमारी के बाद 4 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया। महाराष्ट्र के जालना जिले से 2 लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि 1 व्यक्ति को छत्रपति संभाजी नगर से और 1 को व्यक्ति को मालेगाव से हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक चारों के लिंक आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में भी एनआईए ने रेड की है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश और असम में भी एनआईए की छापेमारी चल रही है। जैश ए मोहम्मद आतंकी संगठन की टेरर फंडिंग को लेकर इस रेड को अंजाम दिया जा रहा है। बता दें महाराष्ट्र में नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में जहां एक तरफ चुनाव इतने नजदीक है। वहीं, दूसरी तरफ देश विरोधी गतिविधियों के लिए फंडिंग का मामला सामने आ रहा है। इसी के चलते एनआईए एक्शन मोड में दिखाई दे रही है।

द्वारका में होगा दुनिया के सबसे ऊंचे 211 फीट के रावण के पुतले का दहन, बनाने में लगे 4 महीने; लागत जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली | आरएनएस

दिल्ली में द्वारका के सेक्टर 10 स्थित रामलीला मैदान में दशहरे पर दुनिया के सबसे बड़े रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसकी ऊंचाई 211 फीट बताई जा रही है। इसे बनाने में लगभग चार महीने लगा। इसे 30 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

द्वारका रामलीला कमेटी के आयोजक राजेश गहलोत ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में बताया, द्वारका रामलीला सोसाइटी, सेक्टर 10 में इस वर्ष दुनिया का सबसे ऊंचा और भव्य रावण का पुतला जलाया जाएगा। इसकी ऊंचाई 211 फीट है, जिसे कुछ विशेष कारीगरों ने मिलकर बनाया है। ये कारीगर अंबाला और एनसीआर से हैं। पुतले का ढांचा पहले लोहे से तैयार किया गया, फिर इसके ऊपर बांस और मखमली कपड़े का प्रयोग किया गया है। रावण का चेहरा बेहद सुंदर और मजबूती से बनाया गया है, जिसे चार बड़े क्रेन की सहायता से खड़ा किया गया है। इस पुतले को बनाने में लगभग 4 महीने का समय और 30 लाख रुपये का खर्च आया है।

उन्होंने बताया, जब हमने इस समारोह की शुरुआत की थी, तब पुतले की ऊंचाई लगभग 50 फुट थी। समय के साथ यह ऊंचाई बढ़ती गई, और अब 211 फुट के साथ यह दुनिया का सबसे ऊंचा रावण का पुतला बनने जा रहा है। हम अपने सभी मेहमानों, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के राष्ट्रपति को निमंत्रण भेज चुके हैं। हमें उम्मीद है कि वे हमारे निमंत्रण को स्वीकार करेंगे और इस बार भी हमें अपना आशीर्वाद देंगे।

इसके पहले हमें 2019 और 2023 में प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला था। द्वारका रामलीला का मुख्य उद्देश्य है कि लोगों के समक्ष भगवान राम की लीलाओं को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया जाए। इस बार की लीला के लिए पात्रों का चयन करने में हमें लगभग छह महीने का समय लगा है, और हमने पूरे एनसीआर से चार सौ कलाकारों को चुना है। हम आशा करते हैं कि इस विशेष आयोजन में अधिक से अधिक लोग शामिल हों और राम की कथा का आनंद लें।

शिमला में मस्जिद की तीन मंजिलें अवैध घोषित, कोर्ट ने दो महीने में दिया ढहाने का आदेश

शिमला | आरएनएस

शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर हुई सुनवाई में कोर्ट ने मस्जिद की तीन मंजिलों को अवैध घोषित कर दिया है। कोर्ट ने दो महीने के अंदर इसे ढहाने के आदेश दिए है।

नगर निगम आयुक्त ने शिमला की संजौली मस्जिद के उस हिस्से को हटाने की अनुमति दे दी है, जिसे खुद ही मस्जिद कमेटी ने आगे आकर हटाने की पेशकश की थी। इसके लिए दो महीने का समय दिया गया है। नगर निगम के आयुक्त भूपेंद्र अत्री ने कहा कि मस्जिद के तीन फ्लोर को हटाने का काम वक्फ बोर्ड की देखरेख में होगा। आयुक्त ने कहा कि मस्जिद की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल को हटाए जाने की अनुमति दी जाती है। मस्जिद के शेष हिस्से की सुनवाई 21 दिसंबर, 2024 को होगी।

भीषण सूखे की चपेट में ब्राजील : अमेजन वर्षावन में रिवर पोर्ट का जल स्तर 122 साल में सबसे नीचे

मनौस, ब्राजील

अमेज़ॅन वर्षावन के सबसे बड़े शहर मनौस में रिवर पोर्ट शुक्रवार को अपने 122 साल के सबसे निजल जल स्तर तक पहुंच गया। इससे भू-जल और पर्यावरण वैज्ञानिक भी हैरान हैं। वर्ष 1902 के बाद से रिवर पोर्ट का जल स्तर पहली बार अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। यहां भीषण सूखे के कारण जलमार्ग नष्ट हो गए हैं। पोर्ट पर सूखे के चलते अनाज निर्यात और आवश्यक आपूर्ति का परिवहन भी बाधित हो गया है, जो इस क्षेत्र की जीवन रेखा है।

बताया जा रहा है कि औसत से कम बारिश इस बड़े सूखे की वजह है। यहां तक कि बरसात के मौसम में भी यहां बहुत कम वर्षा हुई है। पिछले साल से अमेज़ॅन और दक्षिण अमेरिका के अधिकांश हिस्से इससे त्रस्त हैं। ब्राजील और बोलीविया में एक दशक से भी अधिक समय में सबसे भीषण जंगली आग लगी है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अमेज़ॅन क्षेत्र 2026 तक नमी के स्तर को पूरी तरह से ठीक नहीं कर पाएगा।

पिछले साल सूखा एक मानवीय संकट बन गया था, क्योंकि नदियों पर निर्भर लोग भोजन, पानी या दवा के बिना फंसे हुए थे। हालांकि इस साल अधिकारी पहले से ही अलर्ट पर हैं। राज्य के नागरिक सुरक्षा कोर के अनुसार बुरी तरह प्रभावित अमेज़ॅनस राज्य में कम से कम 62 नगर पालिकाएं आपातकाल की स्थिति में हैं और पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। बंदरगाह के परिचालन प्रमुख वाल्मीर मेंडोंका ने कहा, मनौस बंदरगाह 120 से अधिक वर्षों में यह अब तक का सबसे गंभीर सूखा है। उन्होंने कहा कि नदी का स्तर अगले एक या दो सप्ताह तक और गिरने की आशंका है। वेबसाइट के अनुसार मनौस बंदरगाह ने शुक्रवार को रियो नीग्रो नदी का तापमान 12.66 मीटर मापा, जो पिछले साल दर्ज किए गए अब तक के सबसे निचले स्तर को पार कर गया है और अभी भी तेजी से गिर रहा है।

रियो नीग्रो अमेजऩ नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है, जो आयतन के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी नदी है। बंदरगाह पानी के मिलन के पास स्थित है जहां नीग्रो का काला पानी रेतीले रंग के सोलिमोस से मिलता है, जो इस सप्ताह रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। एक बंदरगाह संघ ने पिछले महीने कहा था कि पानी का स्तर कम होने के कारण अमेज़ॅन की एक अन्य सहायक नदी मदीरा नदी पर अनाज लदान रोक दिया गया है। शोधकर्ताओं को एक बार फिर मीठे पानी की नदी अमेजन में डॉल्फिऩ के शव मिल रहे हैं, जिसके लिए वे पानी के पतले होने को जिम्मेदार ठहराते हैं। यही वजह है कि खतरे में पड़ीं जलीय प्रजातियां मनुष्यों के निकट संपर्क में आ रही हैं।

राष्ट्रीय आपदा निगरानी एजेंसी सेमाडेन ने पहले ही सूखे को कम से कम 1950 के दशक के बाद ब्राजील की सबसे खराब घटना करार दिया है। सूखे ने ब्राज़ील के बिजली के मुख्य स्रोत जलविद्युत संयंत्रों को भी प्रभावित किया है। ऊर्जा अधिकारियों ने बिजली बचाने के लिए डेलाइट सेविंग टाइम को वापस लाने की मंजूरी दे दी है, हालांकि इस उपाय के लिए अभी भी राष्ट्रपति की मंजूरी की आवश्यकता है।

अत्यधिक मौसम और शुष्कता दक्षिण अमेरिका के अधिकांश हिस्से को प्रभावित कर रही है, पराग्वे नदी भी अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। वह नदी ब्राज़ील से शुरू होती है और पैराग्वे और अर्जेंटीना से होते हुए अटलांटिक में बहती है।

वही अत्यधिक गर्मी और सूखापन दुनिया के सबसे बड़े आर्द्रभूमि अमेज़ॅन और पड़ोसी पैंटानल में बढ़ती आग को रोकने में मदद कर रहा है। ब्राज़ील की अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, बोलीविया भी अब तक दर्ज की गई सबसे अधिक आग के रिकॉर्ड को तोडऩे की राह पर है।